

# 黃山畫記



史官書其作  
 沉浮浪言定界  
 意縱橫  
 筆主歲春  
 劉師子書山  
 風郭松  
 京西



# 黄山画记

刘 晖 绘

安徽美术出版社

封面题签: 李可染  
封面设计: 董伯信  
责任编辑: 朱秀坤

Je222.7  
287

### 黄山画纪

|          |    |     |    |
|----------|----|-----|----|
| 刘 晖      | 绘  | 何 超 | 选编 |
| 安徽美术学院   | 出版 | 书店  | 发行 |
| 安徽省新华印刷厂 | 印刷 |     |    |

开本: 16 印张: 4.5 印数: 8500  
1985年2月第1版第1次印刷  
统一书号: 8381·1 定价1.90元

## 序

我上黄山，回来之后，认识了出生黄山，热爱黄山的画家刘晖，他立志要以绘画为手段，记录自己对黄山的感受和情感。为了认识黄山风光的奥秘，不满足于记录黄山习见常闻的特点；为了发现黄山那种独特的变化着的美的特征，往往不顾生命的危险，单人深入到人迹罕至的地方。我在黄山游览时，有位同志告诉过我：有一个单人出发采集石耳的人，因为绳索出了故障，身体悬在半空成了干尸，数月后才被发现。我想刘晖不是不知道危险的，但他常常这样一个人出发，甚至有深夜回不来的经历。对于愿意在艺术上有所成就者，总是这样，有一股子不畏艰难险阻的劲头的。诚然，决定画家艺术个性的，是那与众不同的主观条件（例如素养）。但也只有这样依靠自己的努力，才有可能丰富自己的创作素材，丰富自己的艺术个性，为更加光辉的成就创造主观条件。

热爱黄山风光的刘晖，去年来京，从事中国山水画的进修，在技巧上得到一些山水画家的诱导，现在他要回到他的故乡黄山。在北京期间，主要用焦墨，其间也用泼墨、水墨、白描等手段，尝试着画了一百几十幅以黄山为题材的中国画，他对黄山的松、石、云、泉都作了着力的描绘。他所画的各式各样的松，真是千姿百态，令人倾慕的。刘晖的画松使我觉得他不只是画出了各式各样的松姿的美，而且蕴藏着画家对它们的爱，这种爱，不象是作画时才流露出来的，也许他在观察奇松的时候，就已经孕育着了。如果说他的这些新作，也有值得改进的地方，我以为他应

## 言

当把称为人、仙和动物的奇峰怪石处理在似与不似之间，方更显得黄山巧石之妙，否则，多少有损于奇峰怪石自身的特殊魅力。（这种状况的形成是有客观原因的，是为了考虑对来黄山旅游的同志作黄山风光的介绍）。

刘晖告诉我：“我家世代居住在黄山西海的一个偏僻山村里，西海的九龙峰、云外峰、云际峰、云门峰、浮丘峰、翠微峰象一幅幅天然图画挂在我家窗口门前。缥缈无定的烟云、雄伟奇特的山峰、苍劲多姿的青松、清澈见底的溪水，构成了一个世外桃源般的仙境。我在那充满了诗情画意的环境里，读书、放牛、砍柴、摸鱼、捉鳖，度过了童年和少年时代。”刘晖对我作的这些介绍，不只帮助我了解他爱画和作画的成就的由来，了解自幼爱画和作画的刘晖，为什么终于决心把绘画当成他的终身事业。而且，我因此确信，某些在当时未必自信有利于自己事业的经历，可能在新的条件之下发扬光大，成为壮大自己的才能和智慧的必要条件。

安徽人民出版社出版的画集，这是可喜可贺的。我想只有三十八岁的刘晖，这本画集对他的事业应当不过是一个纪程。石涛云：“山川使予代山川而言也，山川脱胎於予也，予脱胎於山川也，山川与予神遇而迹化也，所以路归之於大涤也”。这些话对於画家刘晖的努力，也具有一定的参考价值。

王朝闻

一九八三年七月二日于北京

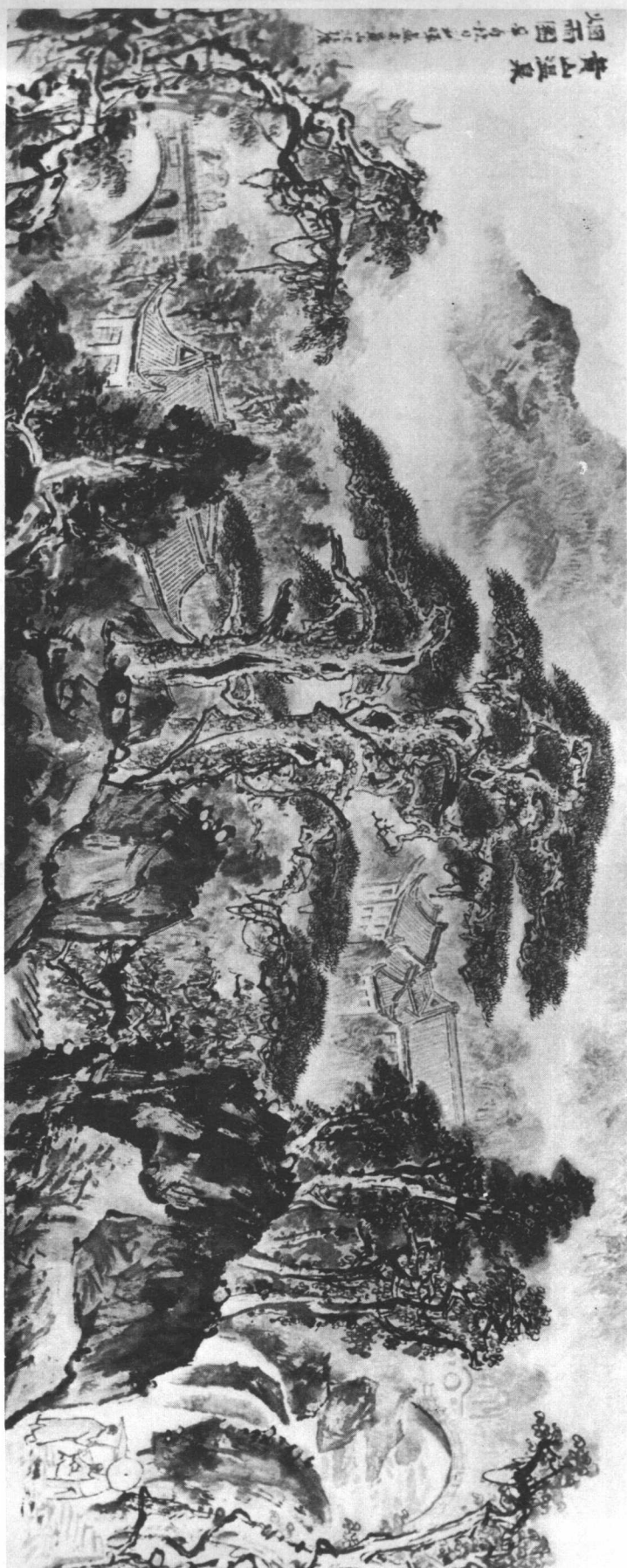
## 目 录

|    |                 |    |    |                     |    |
|----|-----------------|----|----|---------------------|----|
| 1  | 温泉烟雨图           | 1  | 26 | 玉屏峰北眺石笋扛之仙人飘海       | 17 |
| 2  | 桃花溪石            | 2  | 27 | 玉屏峰西眺莲蕊峰旁孔雀戏莲花      | 17 |
| 3  | 老牛观海            | 2  | 28 | 指路石                 | 18 |
| 4  | 云岩古翠            | 3  | 29 | 金龟望月                | 18 |
| 5  | 汤岭关             | 3  | 30 | 黄海巧石龟蛇二石及鳌鱼吃螺蛳      | 19 |
| 6  | 半山寺             | 4  | 31 | 鳌鱼驮金龟               | 19 |
| 7  | 烟遮雾掩慈光阁         | 4  | 32 | 大鹏面壁                | 20 |
| 8  | 金鸡叫天门           | 5  | 33 | 东海绝巘之奇松             | 20 |
| 9  | 老人峰             | 5  | 34 | 老僧入定                | 21 |
| 10 | 童子拜观音           | 6  | 35 | 天海烟云                | 21 |
| 11 | 留与深山伴岁寒         | 6  | 36 | 东海玉女                | 22 |
| 12 | 五老上大都           | 7  | 37 | 仙人打伞                | 22 |
| 13 | 仙人下轿            | 7  | 38 | 雪虐风餐亦自如,雷雨冰霜总清霄     | 23 |
| 14 | 乘风欲飞广寒去,好与嫦娥相伴邻 | 8  | 39 | 西海烟云                | 24 |
| 15 | 天都峰顶松           | 9  | 40 | 苍龙出谷                | 25 |
| 16 | 蒸云              | 9  | 41 | 西海怪石                | 25 |
| 17 | 奇秀无与并,苍浑莫之先     | 10 | 42 | 老猿修心                | 26 |
| 18 | 天上玉屏            | 11 | 43 | 仙人幽栖 (从钓桥可见)        | 26 |
| 19 | 云天游龙            | 12 | 44 | 西海巧石 (仙女绣花、仙女弹琴、天狗) | 27 |
| 20 | 倒挂松             | 13 | 45 | 西海古碑生花              | 27 |
| 21 | 岩松无岁月           | 13 | 46 | 九龙峰上仙人下棋            | 28 |
| 22 | 沿缘千丈壑,俯仰百重山     | 14 | 47 | 西海五指峰               | 28 |
| 23 | 虬龙舞翠            | 15 | 48 | 三娘教子                | 29 |
| 24 | 欲上九天揽月          | 15 | 49 | 石上松曾见古皇             | 29 |
| 25 | 蒲团松             | 16 | 50 | 清音风常送,绿阴时复岩         | 30 |

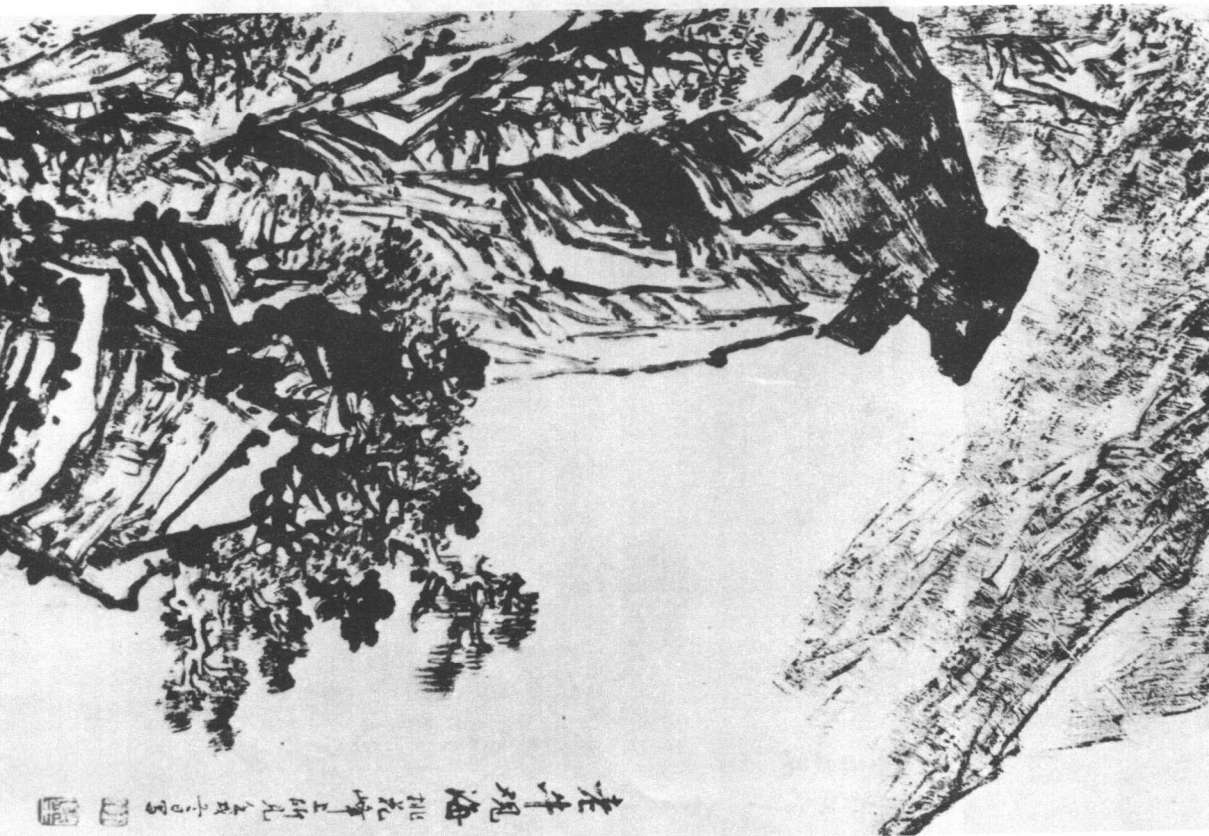
|    |                 |    |
|----|-----------------|----|
| 51 | 西海双龙松           | 30 |
| 52 | 仙人谈心            | 31 |
| 53 | 云际峰烟云           | 31 |
| 54 | 西海父母官           | 32 |
| 55 | 老僧念经            | 32 |
| 56 | 风烟际会图           | 33 |
| 57 | 钓桥烟云            | 33 |
| 58 | 西海烟峦            | 34 |
| 59 | 石壁过云            | 34 |
| 60 | 西海山村            | 35 |
| 61 | 托足凌高空，俯首天四垂     | 36 |
| 62 | 西海峭壁            | 37 |
| 63 | 九龙峰麓            | 37 |
| 64 | 情理俱无            | 38 |
| 65 | 仙人踩高跷           | 38 |
| 66 | 丹霞峰上古松          | 39 |
| 67 | 高岩古干（九龙峰古松）     | 39 |
| 68 | 栗溪之源            | 40 |
| 69 | 仙人看景            | 40 |
| 70 | 西海翠微峰、麻衣峰烟云     | 41 |
| 71 | 始信峰上奇松          | 42 |
| 72 | 风欺雪压一重重，生长畸形百不同 | 43 |
| 73 | 石笋缸烟雨           | 43 |
| 74 | 猪八戒吃西瓜          | 44 |
| 75 | 啸傲苍穹            | 44 |

|     |                 |    |
|-----|-----------------|----|
| 76  | 铁线潭上之怪石         | 45 |
| 77  | 始信峰顶之聚音松        | 45 |
| 78  | 清凉台旁之扇子松        | 46 |
| 79  | 骆驼石、飞来钟         | 46 |
| 80  | 接引松             | 47 |
| 81  | 仙人下棋、丞相观棋、仙人进宝  | 47 |
| 82  | 凤凰柏             | 48 |
| 83  | 翠雾重重裹丹岩         | 49 |
| 84  | 奇情生丹岩，翠羽舞青穹     | 50 |
| 85  | 下方浮尘难到，绝壁嶙峋耸青姿  | 50 |
| 86  | 狮子峰上奇松          | 51 |
| 87  | 猴子观海            | 52 |
| 88  | 怪石石尖堆怪石         | 52 |
| 89  | 缥缈离奇峙碧空，浑疑之外复云中 | 53 |
| 90  | 十八罗汉朝南海绝顶奇观     | 54 |
| 91  | 北海峰麓            | 55 |
| 92  | 东海古松            | 55 |
| 93  | 交柯互盘郁，碧绿难举似     | 56 |
| 94  | 北海古松            | 56 |
| 95  | 天鹅孵蛋及小梦笔生花      | 57 |
| 96  | 石笋缸西眺之仙人晒长靴     | 57 |
| 97  | 关公挡曹            | 58 |
| 98  | 仙人观榜            | 58 |
| 99  | 松谷流泉            | 59 |
| 100 | 乌龙潭             | 59 |

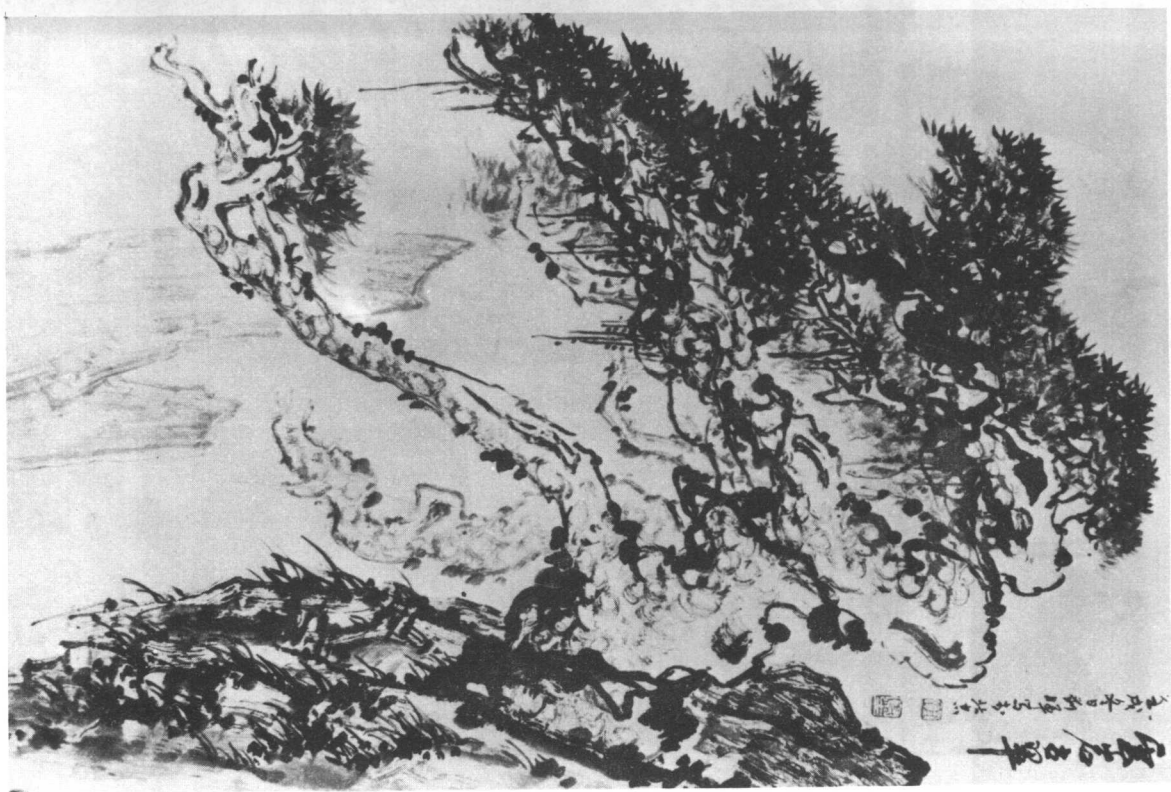
|                 |    |
|-----------------|----|
| 101 松谷腊月        | 60 |
| 102 松谷庵翠雨       | 60 |
| 103 双龙松         | 61 |
| 104 仙人指路        | 61 |
| 105 喜鹊登梅        | 62 |
| 106 猴子捧桃        | 62 |
| 107 天狗望月        | 63 |
| 108 金鸡报晓        | 63 |
| 109 浚雨浓青浮远嶂     | 64 |
| 110 仙人翻桌        | 64 |
| 111 入胜亭烟云       | 65 |
| 112 云谷寺         | 66 |
| 113 晓烟酣石气，晨风壮涛声 | 66 |



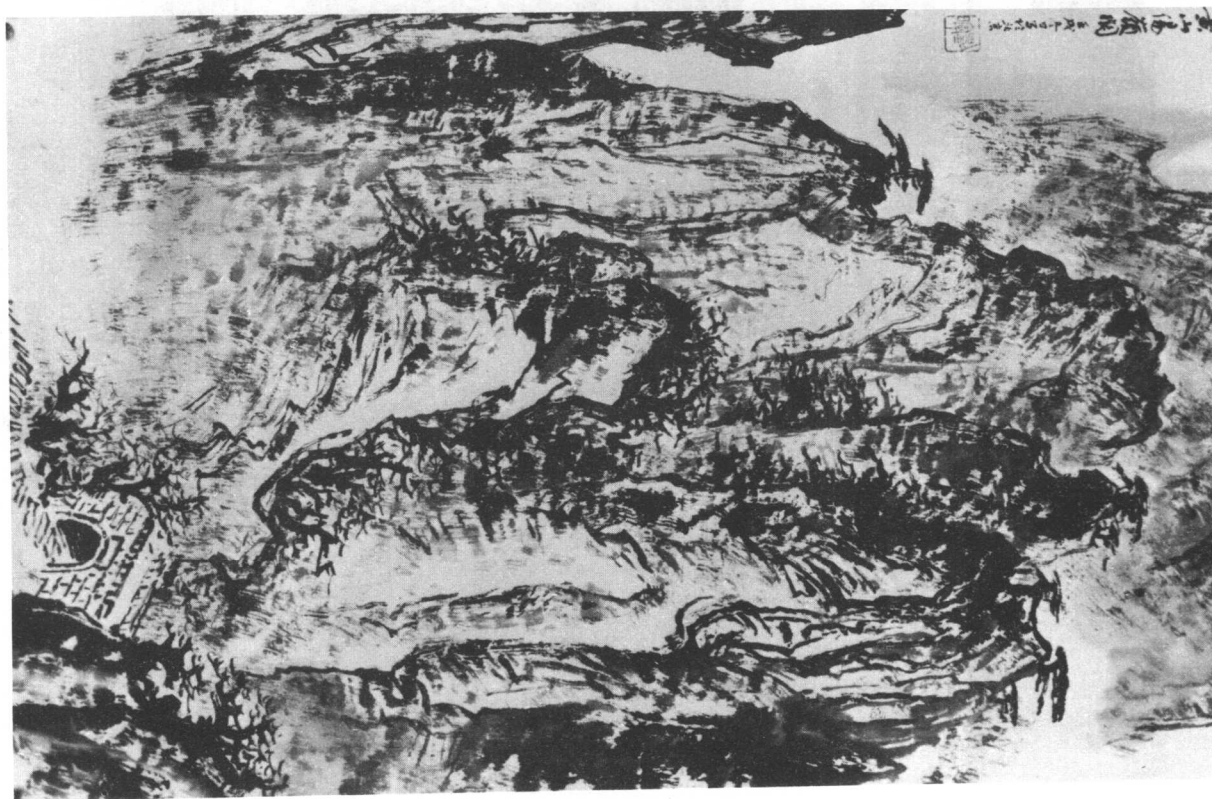
温泉烟雨图



桃花溪石



云岩古翠



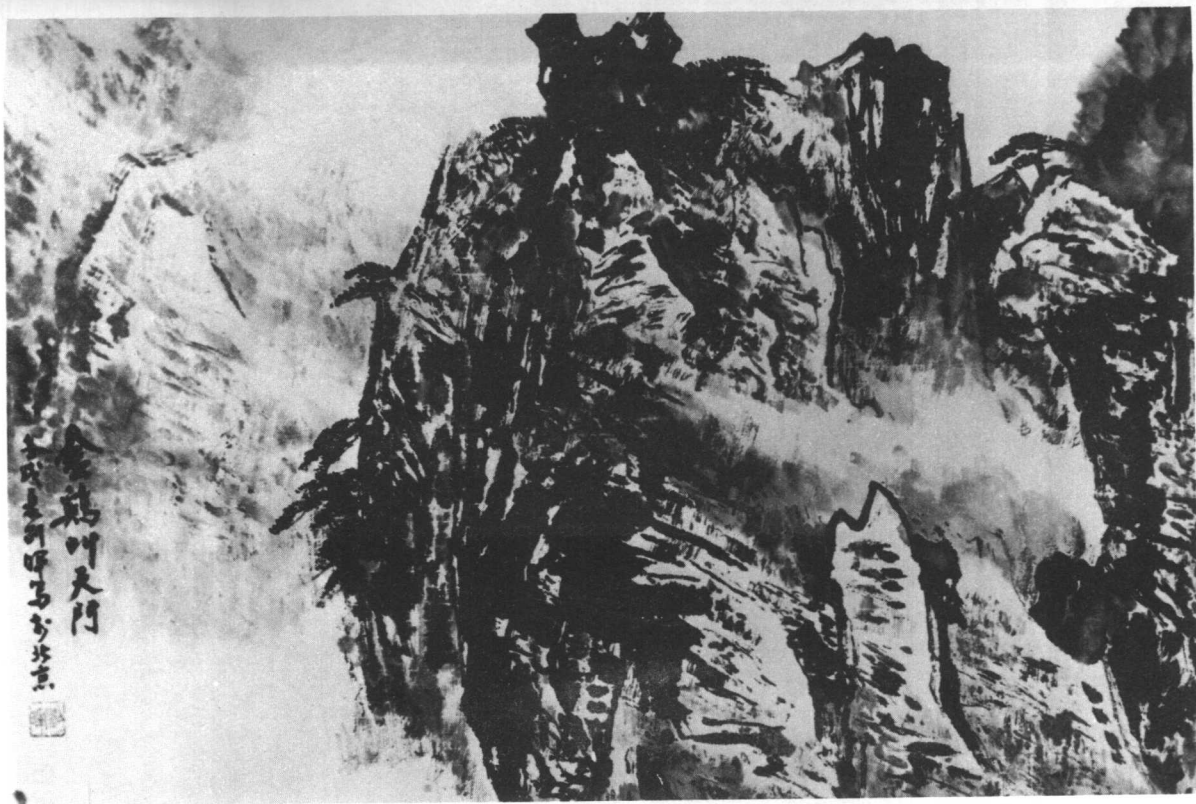
汤岭关

半山寺



烟遮雾掩慈光阁

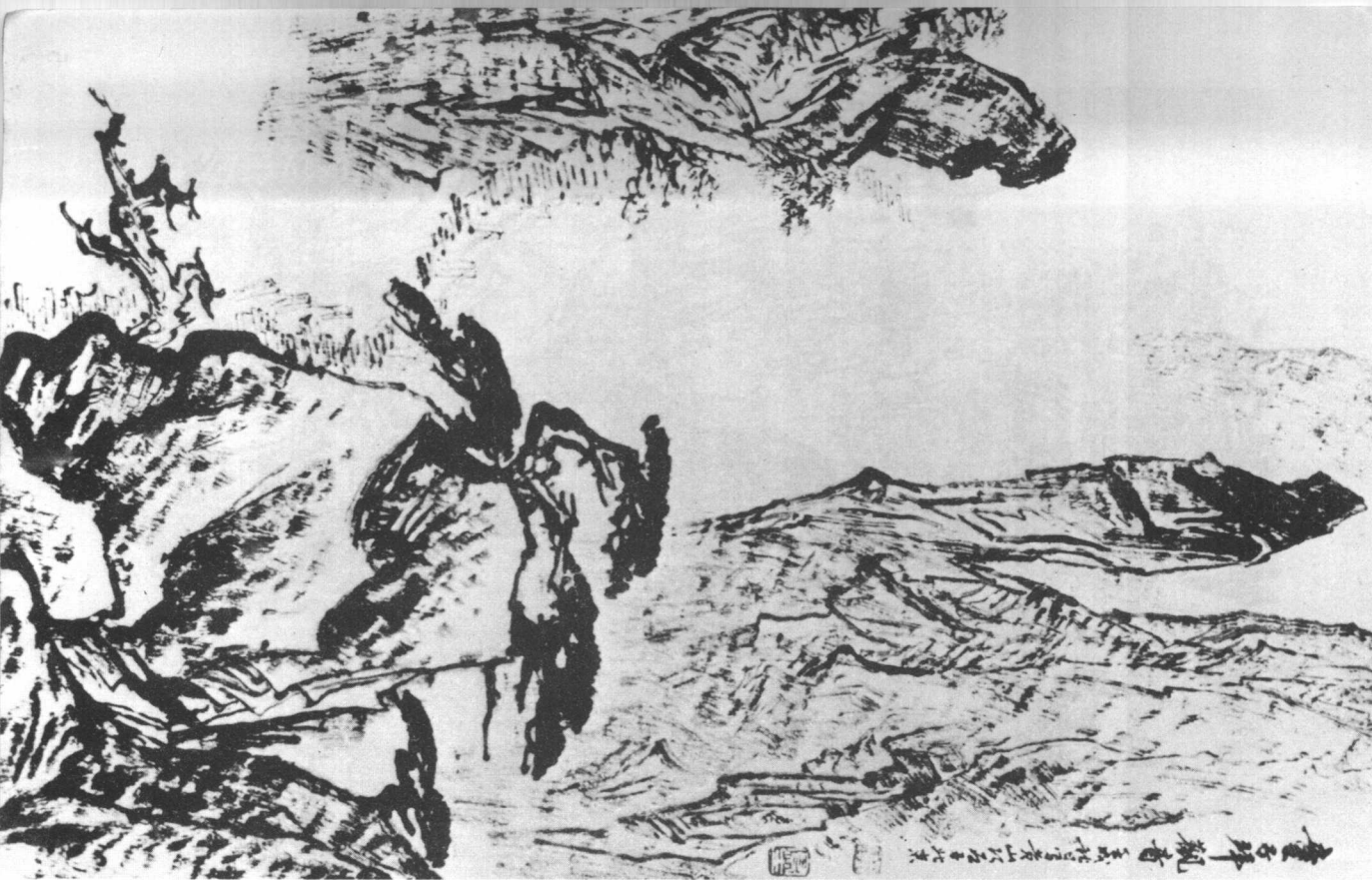




金鸡叫天门

老人峰

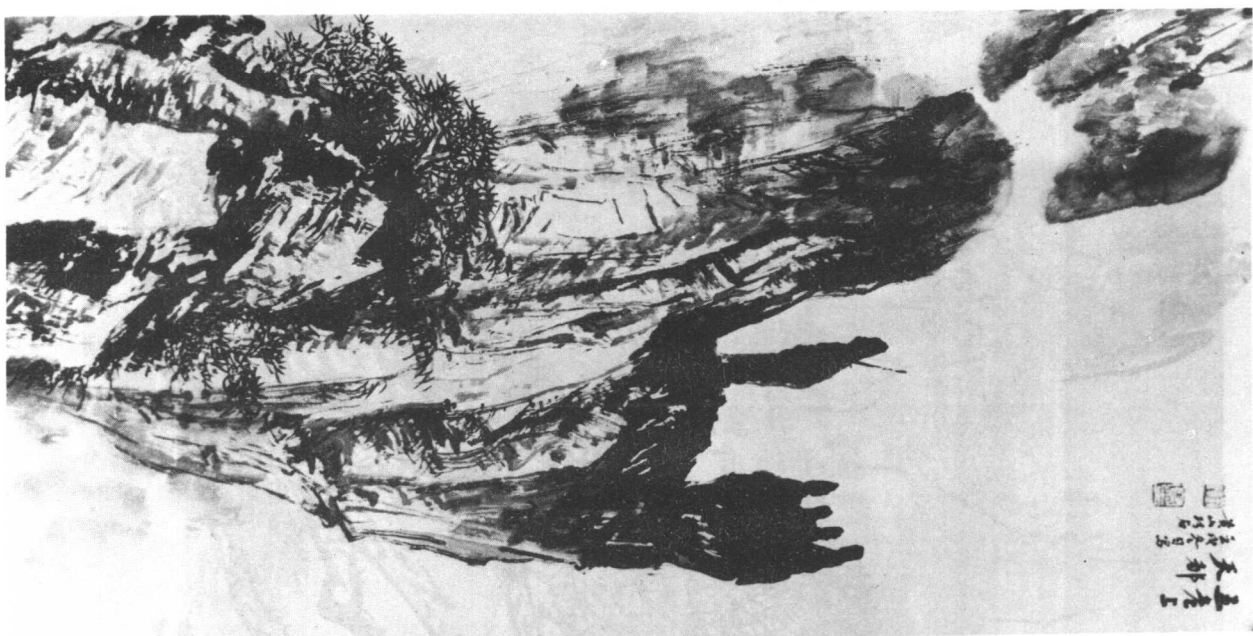




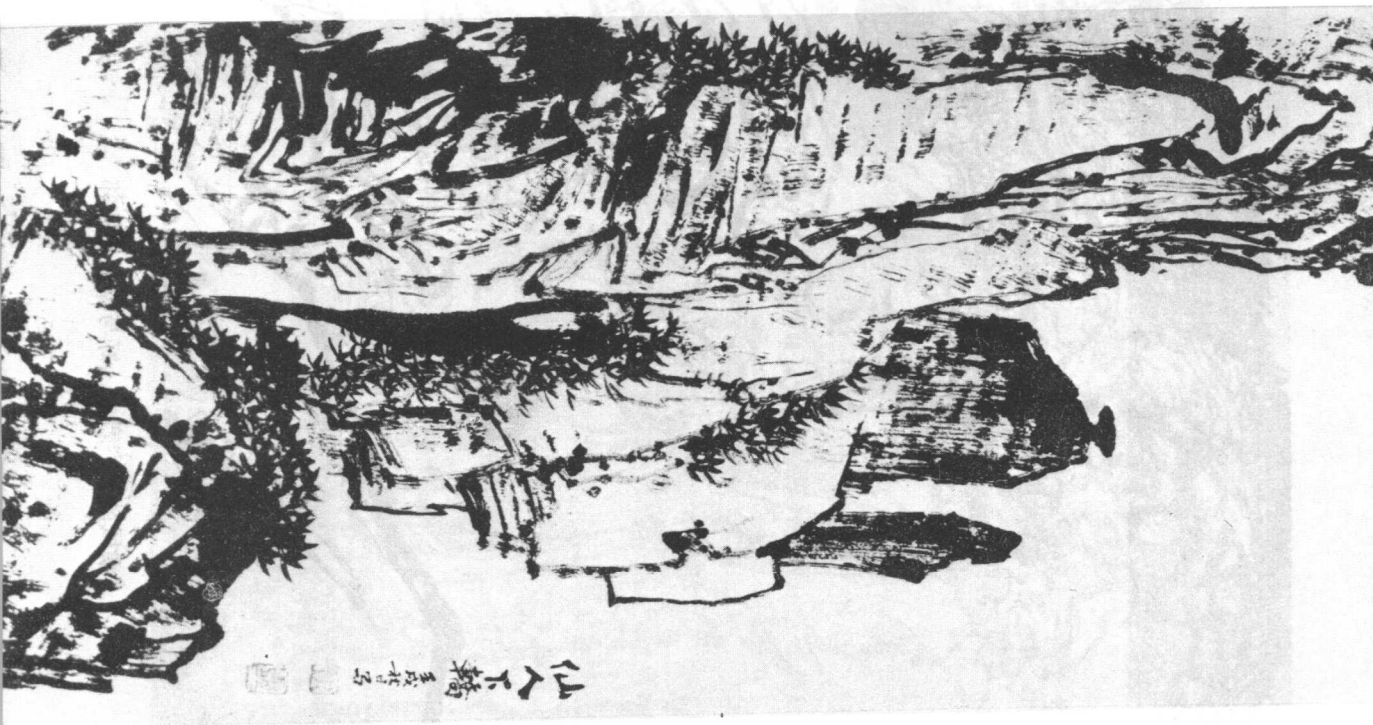
童子拜观音



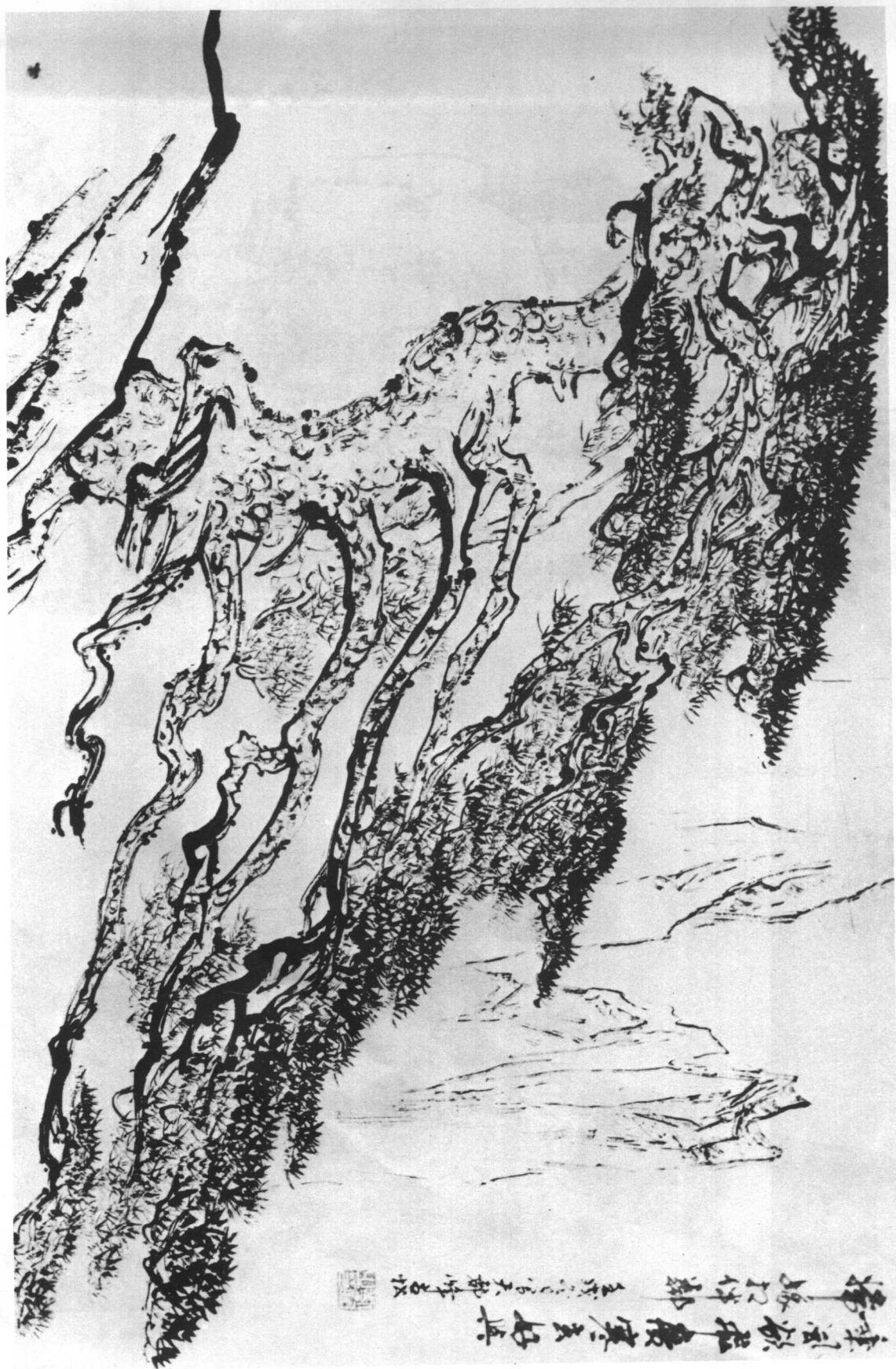
留与深山伴岁寒



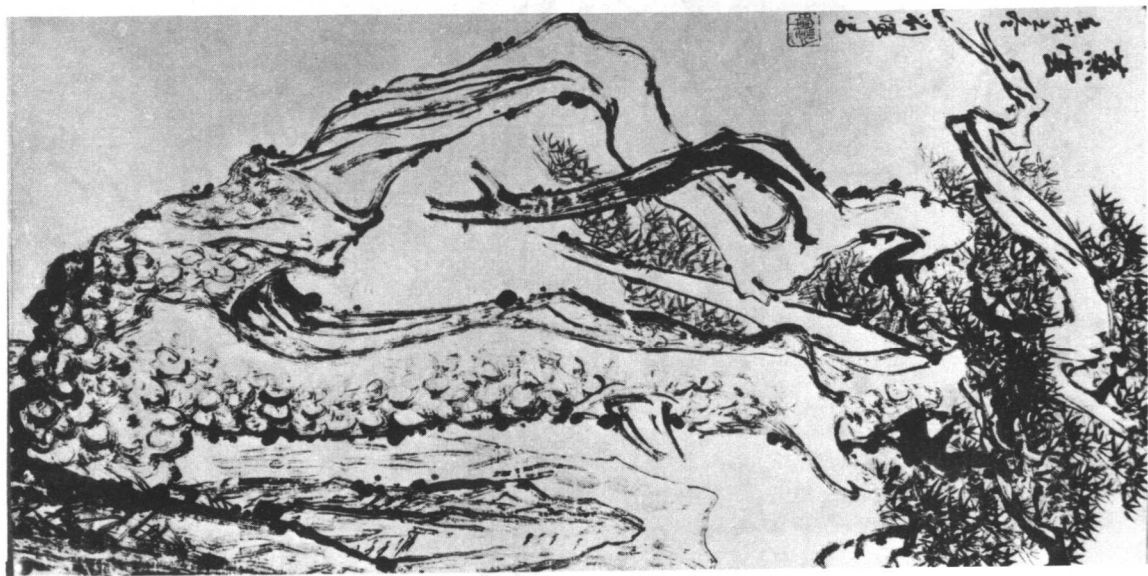
五老上天都



仙人下轿



乘风欲飞”寒去，好与嫦娥相伴邻



蒸云



天都峰顶松

奇秀无与并，苍浑莫之先

